

M.A. (Part-II) (Pali & Prakrit) (C.B.C.S. Pattern) Sem-IV
MAPPCBCS402 - Paper-II : Mazzimnikay Va Pali Kavya
मज्जिमनिकाय व पाली काव्य

P. Pages : 4

Time : Three Hours



GUG/S/19/10536

Max. Marks : 80

- सूचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
 सभी प्रश्न अनिवार्य है।
 2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
 स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) संसदर्भ भाषांतर करा.
 संसदर्भ अनुवाद किजिए।

10

“तस्स मर्हं, राजकुमार एतदहोसि-यज्ञ नाहं थोकं थोकं आहारं आहारेयं पसतं पसतं. यदि वा मुग्गयूसं यदि वा कुलत्थयूसं यदि वा कणाथयूसं यदि वा हरेणुकयूसं ति सो खो अहं, राजकुमार, थोकं थोकं आहारं आहारेति पसतं पसतं, यदि वा मुग्गयूसं यदि वा कुलत्थयूसं यदि वा कणाथयूसं यदि वा हरेणुकयूसं। तस्स मर्हं राजकुमार थोकं थोकं आहारं आहारयतो पसतं पसतं यदि वा मुग्गयूसं यदि वा कुलत्थयूसं यदि वा कणाथयूसं यदि वा हरेणुकयूसं अभिमत्तकसिमानं पत्तो कायो होति । सेय्याथा पि नाम वट्ठनावळी एवमेवस्सु मे पिठिण्कण्टको उण्णतावनतो होति साथेवप्पा हारताय । संव्यथापि नाम वट्ठनावळी एवमेवस्सु मे पिट्टिकण्टको उण्णतावनतो होति तायेवप्पा हारताय ।

किंवा / अथवा

“अथ खो उपालि गहपति भगवतो भासितं अभिनन्दित्वा अनुमोदित्वा उद्घायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदाक्रिखणं कृत्वा येन संकं निवेसनं तेनुपसङ्गमि; उपसङ्गमित्वा दोवारिकं आमन्त्रेसि- “अज्जतगे सम्म दोवारिकं आवरामे द्वारं निगण्ठानं निगण्ठीनं अनावटं द्वारं भगवतो भिक्खुनीनं उपासकानं उपासिकानं। सचे कांचि निगण्ठो आगच्छति समेन त्वं एवं वदेय्यासि - तिद्वं भन्ते या पाविसि। अज्जतगे उपालि गहपति समणस्स गोतमस्स सावकतं उपगतो आवटं द्वारं निगण्ठामं निगण्ठीनं, अनावटं द्वारं भगवतो भिक्खुनं भिक्खुपीनं उपासकानं उपासिकानं। सचे ते भन्ते, पिण्डकेन अत्थो एत्थेव तिद्वं, एत्थेव ते आहरिस्सन्ती ‘ति। एवं भन्ते ति खो दोवारिको उपालिस्स गहपतिस्स पच्चस्सोसि।

- ब) मज्जिमनिकाय ग्रंथाचे महत्व लिहा.
 मज्जिमनिकाय ग्रंथ का महत्व लिखिए।

6

किंवा / अथवा

बोधिराजकुमारा विषयी माहिती लिहा.
 बोधिराजकुमार के बारे में लिखिए।

2. अ) संसदर्भ भाषांतर करा.
 संसदर्भ अनुवाद किजिए।

10

एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा राजगहे विहरति वेणूवने कलन्दकनिवापे। अथ खो अभयो राजकुमारो येन निगण्ठो नागपुत्तो तेनुपसङ्गमि; उपसङ्गमित्वा निगण्ठं नातपुत्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसीनं खो अभयं राजकुमारं निगण्ठो नागपुत्तो एतदवोच- “एहि त्वं, राजकुमार समणस्स गोतमस्स वादं आरोपेहि। एवं ते कल्याणो कितिसददो अब्मुगच्छिस्ति-अभयेन राजकुमारेन समणस्स गोतमस्स एवं महिद्धिकस्स एवं महानुभावस्स वादो आरोपितो” ति। यथा कथं पनाहं, भन्ते समणस्स गोतमस्स एवं महिद्धिकस्स एवं महानुभावस्स वादं आरोपेस्सामी” ति?

किंवा / अथवा

वासेद्वे माणवो एवमाह-‘यतो खो, भो सीलवा च होति वत्तसम्पन्नो च एत्तावता खो भो ब्राह्मणो होति ति। नेव खो असक्खि भारद्वाजो माणवो वासेद्वं माणवं सज्जापेतुं न पन असक्खि वासेद्वे माणवो भारद्वाजं माणवं सज्जापेतुं। अथ खो वासेद्वे माणवो भारद्वाजं माणवं आमन्त्रेसि “अथं खो भो भारद्वाज, समणो गोतमो सक्यपुत्तो सक्यकुला पब्जितो इच्छानङ्गले विहरति इच्छानङ्गलवनसण्डे। तं खो पन भवन्तं गोतमं एवं कल्याणो किन्तिसद्दो अब्मुगतो-इति पि सो भगवा अरहं सम्मासम्बुद्धो विज्ञाचरणसम्पन्नो सुगतो लोकविदू अनुत्तरो पुरिसदम्मसारथि सत्था देवमनुस्सानं बुद्धो भगवा ति। आयाम भो भारद्वाज, येन समणो गोतमो तेनुपसङ्गमिस्साम; उपसङ्गमित्वा समणं गोतमं एतमत्थं पुच्छिस्साम।

- ब) अभयराजकुमाराला तथागतांनी काय काय सांगितले ते लिहा.
अभयराजकुमार को तथागत ने क्या क्या बतलाया वह लिखिए।

6

किंवा / अथवा

वासेद्व वा भारद्वाज यांच्यातील संवादाचे वर्णन करा.
वासेद्व और भारद्वाज के बीच का वार्तालाप वर्णन किजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा.
ससंदर्भ अनुवाद किजिए।

10

अकम्मकामा अलसा, परदन्तुपजीविनो
आसंसुका सादुकामा, केन ते समणा पिया॥।
चिरस्सं वत मं तात, समणानं परिपुच्छसि
तेसं ते किसियिस्सामि, पञ्जासीलपरक्कमं॥।
कम्मकामा अनलसा, कम्मसेदुस्स कारका
रागं दोसं पजहन्ति तेन मे समणा पिया॥।
तीणि पापस्स मूलानि, धनन्ति सुचिकारिनो
सब्बं पापं पहीनेसं, तेन मे समणा पिया॥।

किंवा / अथवा

खीणकुलीने कपणे, अनुभूतं ते दुक्खं अपरिणायं
अस्सू च ते पवत्तं, बहुनि च जातिसहस्सानि॥।
वसिता सुतानमज्जे अथोपि खादितानि पुत्तमंतानि
हल्तकुलिका सब्बगरहिता, मतपतिका अमतमधिगच्छि।।
भावितो मे मग्गो, अरियो अटऱङ्गिको अमतगामी
निब्बाणं सचिकतं, धम्मादासं अवेक्खिहं।।
अहमस्मि कन्त्सल्ला, ओहितभारा कतिह करणीयं।
किसा गोतमी थेरी, विमुत्तचित्ता इयं भणी“ ति॥।

- ब) सुजाता थेरीगाथांचा सारांश लिहा.
सुजाताथेरीगाथा का सारांश लिखिए।

6

किंवा / अथवा

कल्याणमित्राचे जीवनात महत्व विशद करा.
कल्याणमित्र का जीवन में महत्व विशद किजिए।

4. अ) संसदर्भ भाषांतर करा.
संसदर्भ अनुवाद किजिए।

10

एसा अन्तरधायामि, कुच्छि वा पविसामि ते
भमुकन्तरे तिट्ठामि तिट्ठन्ति मं न दक्खसि॥
चित्तम्हि वसीभूताहे इधिदपादा सुभाविता
छळभिऽजा सच्छिकता, कत्तं बुद्धस्स सासनं॥
सतिसूलूपमा काया खन्धासं अधिकुट्टना
यं त्वं कामरति 'बूसि, अरती, दान्ति सा मम॥
सब्बत्थ विहता नन्दी, तमोखन्धो पदालितो।
एवं जानहि पापिम, निहतो त्वमसि अन्तको " ति॥

किंवा / अथवा

गुरुके मम सत्युसासने, या सिक्खा सुगतेन देसिता॥
परिसुद्धपदं अनङ्गणं किं मं ओवरियान तिद्वासि॥
आपिलचित्तो अनाविलं सरजो वीतरजं अनङ्गण
सब्बत्थ विमुत्तमानसं किं मं ओवरियानं तिद्वासि
दहरा च अपापिका चसि, किं ते पब्ज्जा करिस्सति
निक्रिखप कासायचीवरं एहि रमाम सुपुण्फिते वने॥
मधुरञ्ज पवन्ति सब्बसो, कुसुमरजेन समुद्दिता दुभा।
पठमवस्त्तो सुखो उतु, एहि रमाम सुपुण्फिते वने॥

- ब) “भद्रदाकुण्डलकेसा” विषयी लिहा.
“भद्रदाकुण्डलकेसा” विषय में लिखिए।

6

किंवा / अथवा

थेरिगाथा ग्रंथाचे महत्वं स्पष्ट करा.
थेरिगाथा ग्रंथ का महत्वं स्पष्ट किजिए।

5. अ) टिपा लिहा कोणतेही दोन.
टिष्णियाँ लिखिए कोई भी दो।

6

- | | |
|---------------|-------------------|
| 1) मजिझमनिकाय | 2) थेरीगाथा |
| 3) उपाली | 4) निगण्ठमातपुत्त |

- ब) योग्य पर्याय निवडा.
सही विकल्प चुनिए।

10

- | | |
|--|----------------------|
| 1) मजिझम निकायात सुत्ताची एकूण संख्या आहे.
मजिझम निकाय में कुल सुत्तों की संख्या इतनी है? | ब) 105 |
| अ) 152 | क) 110 |
| 2) बौद्ध साहित्यातील ‘त्रिरत्न’ कोणते?
बौद्ध साहित्य में ‘त्रिरत्न’ कौन से है? | द) 108 |
| अ) प्रज्ञा, शिल, करुणा | ब) बुद्ध, धर्म, संघ |
| क) दान, शिल, शांति | द) दान, क्षमा, शांति |

- | | | | |
|-----|--|----|------------|
| 3) | सुत्तपिटकातील मध्यम आकाराच्या खंडास काय म्हणतात? | | |
| | सुत्तपिटक के मध्यम आकारवाले खंड को क्या कहते हैं | | |
| अ) | मज्जमनिकाय | ब) | दीघनिकाय |
| क) | संयुक्तनिकाय | ड) | खुदकनिकाय |
| 4) | थेरिगाथामध्ये एकुण किती गाथा आहेत? | | |
| | थेरीगाथा में कुल कितनी गाथाए हैं। | | |
| अ) | 527 | ब) | 522 |
| क) | 552 | ड) | 511 |
| 5) | थेरीगाथा मध्ये किती भिक्षुणिंच्या गाथा आहेत? | | |
| | थेरीगाथा में कितनी भिक्षुणीं की गाथा है। | | |
| अ) | 73 | ब) | 72 |
| क) | 63 | ड) | 62 |
| 6) | दीर्घतपस्वी कोणाला म्हटले आहे? | | |
| | दीर्घतपस्वी किसे कहा गया है? | | |
| अ) | उपालि | ब) | जीवक |
| क) | निगंडुनाथ पुत्त | ड) | वसिष्ठ |
| 7) | तथागतांनी प्रथम धम्मोपदेश कोणाला दिला? | | |
| | तथागत ने प्रथम धम्मोपदेश किसको दिया? | | |
| अ) | पंचवगीय भिक्षु | ब) | उपालि |
| क) | नंद | ड) | जीवक |
| 8) | भगवान बुद्धांना गृथकुट पर्वतावर कोणी पाहिले? | | |
| | भगवान बुद्ध को गृथकुट पर्वत पर किसने देखा। | | |
| अ) | भद्राकृष्णकेसा | ब) | सुजाता |
| क) | रोहिणी | ड) | उप्पलवण्णा |
| 9) | थेरिगाथा खुदकनिकायाचा कितवा ग्रंथ आहे. | | |
| | थेरिगाथा खुदकनिकाय का कितने क्रम का ग्रंथ है। | | |
| अ) | सात | ब) | आठ |
| क) | नऊ | ड) | दहा |
| 10) | खुदकनिकाय सुत्तपिटकाचा कितवा भाग आहे. | | |
| | खुदकनिकाय सुत्तपिटक का कितने क्रम का भाग है। | | |
| अ) | तीन | ब) | चार |
| क) | पाच | ड) | सहा |
